Title: Need to protect the sugarcane growers in Kushi Nagar, Uttar Pradesh and requests to pay the balanced amount of Rs. 18 crore to Katkuian-Padrona sugar factory.

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद के गन्ना किसानों के प्रति जो बेरुखी अपनायी जा रही है, की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। मुझे यह कहने में संकोच हो रहा है कि अभी तक मेरे क्षेत्र में ५५ करोड़ रुपया किसानों का बकाया है। कपड़ा मंत्रालय द्वारा चलायी जा रही कठकुइंया-पडरौना शूगर फैक्टरी का भी १८ करोड़ रुपया बकाया है। यह फैक्टरी पिछले १०-१५ साल से चलाई जा रही है। सारा प्रबंधन कपडा मंत्रालय का है और जब बकाया रुपये की मांग की गई तो कपड़ा मंत्रालय ने कह दिया कि यह उसकी जिम्मेदारी नहीं है और वह दाम नहीं देंगे।

जबकि आज भी चेयरमैन कपड़ा मंत्रालय द्वारा मनोनीत है और सारा काम कपड़ा मंत्रालय करता है। १८ करोड़ रुपया बाकी है और यह बी.आई.एफ.आर. में है। अब बी.आई.एफ.आर. को मैं क्या कहूं? पता नहीं उसमें कैसी कमेटियां बनाई जाती हैं? दो साल से बी.आई.एफ.आर. स्टडी कर रहा है। आज मिलें बंद हैं और चलने वाली नहीं हैं। मैं निवेदन करूंगा कि कम से कम कपड़ा मंत्रालय के अधीन जो मिलें हैं, वह चलाएं या न चलाएं, १८ करोड़ रुपया वापस तो दीजिए। हमारे क्षेत्र में कप्तानगंज शुगर फैक्ट्री है। उसके जिम्मे सौ करोड़ रुपया बाकी है।

सभापति महोदय : भारत सरकार को क्या करना चाहिए?

श्री राम नगीना मिश्र : गन्ने का संबंध भारत सरकार से है और संयोग से कटकुइयां-पडरौना शुगर फैक्ट्री भारत सरकार से संबंधित है। १८ करोड़ रुपया बाकी है, फैक्ट्री बंद है, बी.आई.एफ.आर में है और कोई निर्णय नहीं हुआ। मिलें चलें या न चलें, कोई चिन्ता नहीं है। उसके साथ साथ एक पर २२ करोड़ रुपया बाकी है। ... (व्यवधान) बताइए कि किसानों का क्या होगा? मैं निवेदन करूंगा कि भारत सरकार इस पर विशेष ध्यान दे।